प्रेस-विज्ञप्ति 02.03.2024

मर्चेंट्स चेंबर ऑफ उत्तर प्रदेश (एमसीयूपी) सूचना और प्रौद्योगिकी (आईटी) समिति ने 2 मार्च, 2024 को मर्चेंट चेंबर में *"व्यवसायों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता: आपके संचालन और विकास को रूपांतरित करना"* विषय पर एक सफल विचार-विमर्श सेमिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कई स्थानीय व्यवसायों ने भाग लिया, जो यह जानने के लिए उत्सुक थे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उनके कार्यों को कैसे बदल सकती है और उनके भविष्य की सफलता को कैसे सुनिश्चित कर सकती है। यह सत्र मुख्य रूप से *निर्माणकर्ताओं, रसद और आपूर्ति श्रृंखला व्यवसायों, खुदरा और ई-कॉमर्स व्यवसायों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), और सीए और सलाहकारों* के लिए आयोजित किया गया था।

अनिल सक्सेना, चेयरमैन, आईटी समिति ने बताया की "यह कार्यक्रम कानपुर के व्यवसायों को उनके कार्यों और विकास पर एआई की क्षमता और उसके परिवर्तनकारी प्रभाव को समझने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करता है। इसमें भाग लेने से, व्यवसाय इस बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि एआई का उपयोग करके अधिक दक्षता प्राप्त करने, ग्राहक अनुभव को बढ़ाने और अंततः सतत विकास को गति देने के लिए कैसे लाभ उठाया जा सकता है।"

सत्र के चेयरमैन आर के अग्रवाल थे |

ALGO8 AI के सीईओ और सह-संस्थापक नंदन मिश्रा ने मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम को संबोधित किया और व्यवसाय संचालन के विभिन्न पहलुओं में ए.आई. किस प्रकार से क्रांति ला सकता है, इसका विस्तृत वर्णन किया। ए.आई. कैसे लागत को कम करने और मुनाफा बढ़ाने में मदद कर सकता है, उत्पादकता बढ़ाने और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर सकता है, डेटा-संचालित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान कर सकता है तथा बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल कर सकता है । विशेषज्ञों द्वारा भविष्यवाणी की जा रही है कि *2030 तक आज के मौजूद 10 में से 7 नौकरियां स्वचालित हो जाएंगी, यह सेमिनार एक महत्वपूर्ण अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि व्यवसाय एक महत्वपूर्ण **रूपांतरण* के दौर से गुजर रहे हैं। कठोर वास्तविकता स्पष्ट है: *अपनाएं या प्रतिस्थापित हो जाएं।*
उन्होंने बताया कि आई विभिन्न क्षेत्रों के व्यवसायों के लिए कैसे एक गेम-चेंजर हो सकता है। *कार्यों को सुव्यवस्थित करने और उत्पादकता बढ़ाने* से लेकर *डेटा से मूल्यवान जानकारी प्राप्त करने* और *बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल करने* तक, एआई की क्षमता का विस्तार से पता लगाया गया।

इंटरैक्टिव सत्र में उपस्थित लोगों ने सक्रिय रूप से अपने विशिष्ट व्यापार मॉडल में एआई को एकीकृत करने के बारे में मार्गदर्शन मांगा। संदेश स्पष्ट था: *आज के तेजी से बदलते परिदृश्य में व्यवसायों के लिए एआई को अपनाना अब कोई विकल्प नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है।*
एमसीयूपी आईटी कमेटी ने इस सफल सेमिनार के माध्यम से स्थानीय व्यवसायों को आत्मविश्वास के साथ *एआई क्रांति* का नेविगेशन करने का समर्थन किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे आने वाले वर्षों में प्रासंगिक बने रहें और फलते-फूलते रहें।

सत्र का संचालन अतुल अग्रवाल ने किया तथा धन्यवाद-प्रस्ताव चैम्बर की इनफार्मेशन कमिटी के सलाहकार मनु अग्रवाल ने दिया।

सत्र में मर्चेंट्स चैम्बर के सचिव महेंद्र मोदी, चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष मुकुल टंडन, चैम्बर के सदस्य आशीष चौहान, शिवांश मेहरा, सुशील शर्मा तथा अन्य सदस्य, उद्यमी व व्यापारीगण आदि उपस्थित रहे।